

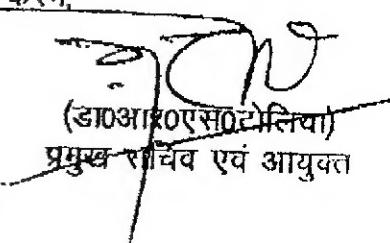
उत्तरांचल शासन,  
यन एवं ग्राम्य विकास विभाग,  
सं० २५२ /व०एवं ग्राम्यविभाग/ २००२  
देहरादून,  
दिनांक २०, अगस्त २००२

## कार्यालय घाप

शासन के कार्यालय घाप संख्या २०३/जलागम/कृषि/२००२ दिनांक १५ मई २००२ द्वारा रखाई जलागम प्रबन्ध निदेशालय का गठन किया जा चुका है। एवं शासनादेश संख्या १०१/व०ग्राम्य/२००२/जलागम अनु०/२००२ दिनांक २४ मई २००२ द्वारा जलागम प्रबन्ध निदेशालय के प्रमुख उद्देश्य, उत्तराधिकारी एवं कार्यों का निर्धारण किया जा चुका है। इस निदेशालय द्वारा जलागम प्रबन्ध की समस्त परियोजनाओं के समन्वयन, नियोजन, मूल्यांकन एवं अनुश्रवण आदि का कार्य किया जा रहा है।

उपरोक्त के अनुकरण में अधोहस्ताकारी को यह कहने का निदेश हुआ है कि जलागम प्रबन्ध निदेशालय, जलागम प्रबन्ध से सम्बन्धित समस्त परियोजनाओं के लिए नोडल विभाग का कार्य करेगा। तथा निदेशालय में गठित टास्क फोर्स द्वारा जलागम प्रबन्ध से सम्बन्धित DPAP, IWDP, NWDPRA तथा अन्य सभी जलागम परियोजनाओं की स्वीकृति हेतु परीक्षण किया जायेगा तथा परीक्षणोपरान्त भारत सरकार को भेजने की कार्यवाही जलागम प्रबन्ध निदेशालय द्वारा ही की जायेगी। इसके साथ-साथ विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति समीक्षा, अनुश्रवण एवं मूल्यांकन का कार्य भी जलागम प्रबन्ध निदेशालय के माध्यम से किया जायेगा।

राखी सम्बन्धित विभाग उपरोक्तानुसार कार्यवाही सुनिश्चित करें।



(डॉआर०एस०टेलिया)  
प्रमुख राज्यव एवं आयुक्त

प्रतिलिपि : निम्न का शूद्धार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :

१. सचिव कृषि, उत्तरांचल शासन.
२. सचिव ग्राम्य विकास, उत्तरांचल शासन.
३. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तरांचल.
४. समस्त जिलाधिकारी, उत्तरांचल.
५. समस्त मुख्य विकास अधिकारी, उत्तरांचल.
६. अपर निदेशक कृषि, उत्तरांचल.

आज्ञा से,

(डॉआर०एस०टेलिया)  
प्रमुख सचिव एवं आयुक्त